

REET



INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

LATEST
EDITION

2022

2
LEVEL

HANDWRITTEN NOTES

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा

भाग-2 संस्कृत (भाषा - I & II)

भाषा - 1

1 एकम् अपत्तिं गद्यांशम् आधारीकृत्य निम्नलिखित -

व्याकरण - सम्बन्धितः प्रश्नाः

- शब्दरूप
- धातुरूप
- कारक
- विभक्ति
- उपसर्ग
- प्रत्यय
- सन्धि
- समास
- सर्वनाम
- विशेषण
- संख्याज्ञानम्
- माहेस्वर सूत्राणि
- अव्ययेषु प्रश्नाः

2 एकम् अपक्ति गद्यांशम् राजस्थानस्य इतिहास - कलां - संस्कृति आदिनाम् आधारीकृत्य निम्नलिखित - बिन्दुसम्बन्धितः प्रश्नाः

- वचन
- लकार
- लिंग - ज्ञान - प्रश्नाः
- विलोम शब्द
- लकार परिवर्तन - प्रश्नाः (लट् - लङ् - लृट् - विधिलिङ्लकारेषु)

3 संस्कृतानुवादः

4 वाच्यपरिवर्तनम् (लट् - लकारस्य)

5 वाक्येषु - प्रश्ननिर्माणम्

6 अशुद्धिसंशोधनम्

7 संस्कृतश्रुतयः

8 संस्कृत भाषा - शिक्षण - विधयः

9 संस्कृतभाषा - शिक्षण - सिद्धान्ताः

10 संस्कृतभाषाकौशलस्य विकासः, (श्रवणम्, सम्भाषणम्, पठनम्, लेखनम्)

संस्कृताध्यापनस्य अधिगमसाधनानि, पाठ्यपुस्तकानि, संप्रेषणस्य
साधनानि।

11 संस्कृतभाषा - शिक्षणव्य मूल्यांकन - सम्बन्धिनः प्रश्नाः

मौखिक - लिखितप्रश्नानां प्रकार सततमूल्यांकनम्

उपचारात्कशिक्षणम्

भाषा - II

1 एकम् अपक्तिं गद्यांशम् आधारीकृत्य निम्नलिखित -

व्याकरण - सम्बन्धितः प्रश्नाः

• शब्दरूप

• धातुरूप

• कारक

• विभक्ति

• उपसर्ग

• प्रत्यय

• सन्धि

• समास

• लकार

- सर्वनाम
- विशेष्य
- विशेषण
- लिंग
- संख्याज्ञानम् - समयज्ञानम्
- अव्ययेषु प्रश्नाः

2 एकम् अपत्तिं पद्यांश वा श्लोकम् राजस्थानस्य इतिहास - कलां -
संस्कृति आदिनाम् आधारीकृत्य निम्नलिखित - बिन्दुसम्बन्धिनः

व्याकरण प्रश्नाः -

- सन्धि
- समास
- कारक
- प्रत्यय
- छंद
- लकारसम्बन्धिनः प्रश्नाः
- विशेष्य - विशेषण
- लिंगसम्बन्धिनः प्रश्नाः

3 संस्कृतानुवादः

4 स्वर - व्यंजन - उच्चारणस्थानानि

5 वाच्यपरिवर्तनम् (लटलकार)

6 अद्भुतसंशोधनम्

7 संस्कृत श्रुतयः

8 संस्कृत भाषा - शिक्षण - विधयः

9 संस्कृतभाषा - शिक्षण - सिद्धान्ताः

10 संस्कृत भाषा कौशलस्य विकासः, (श्रवणम्, सम्भाषणम्, पठनम्, लेखनम्) संस्कृतशिक्षणे - अधिगमसाधनानि, संस्कृतशिक्षणे संप्रेषणस्य साधनानि, संस्कृतपाठ्यपुस्तकानि।
संस्कृत शिक्षणाभिरुचिप्रश्नाः

11 संस्कृत भाषा शिक्षणस्य मूल्यांकन - सम्बन्धिनः प्रश्नाः,
मौखिक - लिखितप्रश्नानां प्रकाराः अततमूल्यांकनम् उपचारात्मक -
शिक्षणम्

12 राजस्थानस्य संस्कृतसाहित्याकारणम्

13 अलंकारम्

नोट - प्रिय छात्रों, Infusion Notes (इन्फ्यूजन नोट्स) के राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) LEVEL - 2 के sample notes आपको पीडीऍफ़ format में “फ्री” में दिए जा रहे हैं और complete Notes आपको Infusion Notes की website या (Amazon/Flipkart) से खरीदने होंगे जो कि आपको hardcopy यानि बुक फॉर्मेट में ही मिलेंगे, या नोट्स खरीदने के लिए हमारे नंबरों पर सीधे कॉल करें (8504091672, 8233195718, 9694804063) | किसी भी व्यक्ति को sample पीडीऍफ़ के लिए भुगतान नहीं करना है | अगर कोई ऐसा कर रहा है तो उसकी शिकायत हमारे Phone नंबर 8233195718, 0141-4045784 पर करें, उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाई की जाएगी |



अध्याय - 1

एकम् अपतिं गद्यांशम् आधारीकृत्य निम्नलिखित - व्याकरण - सम्बन्धितः

प्रश्नाः

गद्यांशः. 1

सत्सङ्गतेः महिमानं को न जानाति? संसारे सज्जनाः अपि दुर्जनाः अपि सन्ति।
दुर्जनस्य सङ्गतिं कोऽपि कर्तुं न इच्छति। अपरत्र सत्सङ्गम् विना मानवस्य जीवनम्
एवं दुर्जीवनं भवति। वस्तुतः सत्सङ्गतिः जनानां पोषिका कुसङ्गतिश्च नाशिका।
सर्वे जनाः स्वपोषमेव इच्छन्ति विनाशं तु न इच्छन्ति। अतः सत्सङ्गतिः एवं
श्रेयस्वी। सज्जनाः तु स्वगुणैः एव सन्तः कथ्यन्ते, अत एव जनः सज्जनानां
गुणेभ्यः स्पृहयन्ति। सद्गुणेनैव जनः मनसा वाचा कर्मणा स्वस्थो भवति। तेन
तस्य आयुः वर्धते, यशः अपि सततं वर्धते। को न जानाति यत् सर्वेषां देशानां
महापुरुषाः अपि सत्सङ्गत्या श्रेष्ठं पदवीं प्राप्नुवन्।

1. 'दुर्जनाः' इति पदे कः उपसर्गः?

(क) दुस्

(ख) दु

(ग) दुश्

(घ) दुर्जः

उत्तर (ग)

2. 'कुसङ्गतिश्च' इति पदस्य विच्छेदं कुरुत -

- (क) कु + सङ्गतिश्च
(ख) कुसङ्गति + च
(ग) कुसङ्गतिः + च
(घ) कुसङ्गतिश्च + च

उत्तर (ख)

3. 'अलभन्त' इत्यर्थे अत्र गद्यांशे कि पदं प्रयुक्तम् ?

- (क) प्राप्तः
(ख) प्राप्तवान्
(ग) प्राप्नुवन्
(घ) अप्राप्तः

उत्तर (ग)

4. 'पोषिका' इति पदे कः प्रत्ययः ?

- (क) टप्
(ख) डीप्
(ग) डीष्
(घ) क्यप्

उत्तर (क)

5. 'जनाः गुणैभ्यः स्पृहयन्ति' अत्र 'जनाः' वचनम् किम् ?

whatsapp- <https://wa.link/dywsfv> 9website- <https://bit.ly/reet-level-2-science>

(क) एकवचनम्

(ख) द्विवचनम्

(ग) बहुवचनम्

(घ) कोऽपि न

उत्तर (ग)

6. 'महापुरुषाः' इति पदे कः समासः?

(क) द्विगुसमासः

(ख) द्वन्द्व समासः

(ग) कर्मधारयसमासः

(घ) अव्ययीभाव समासः

उत्तर (ग)

8. 'श्रेष्ठं पदवीम्' अनयोः विशेषणपदं किम् ?

(क) पदवीं

(ख) सत्सङ्गतिम्

(ग) श्रेष्ठं

(घ) प्राप्तः

उत्तर (ग)

9. 'यज्ञः अपि सततं वर्धते।' अत्र किम् अव्ययपदं प्रयुक्तम् ?

(क) यथा

(ख) अत्र

(ग) एव

(घ) अपि

उत्तर (घ)

10. 'अन्ति' इति पदे कः लकारः ?

(क) लोटलकारः

(ख) विधिलङ्लकारः

(ग) लटलकारः

(घ) लृटलकारः

उत्तर (ग)

गद्यांशः. 2

संस्कृतभाषा भारतीयभाषाणां जननी अस्ति। अनया भाषया सर्वाः प्रान्तीयभाषाः अनुप्राणिताः प्रभाविताः च सन्ति। इयं भाषा अतीव सरला मधुरा चास्ति। श्रुतिः उपनिषत् पुराणं दर्शनम् अन्यानि च शास्त्राणि संस्कृते एव रचितानि सन्ति। श्रुतयः चतस्रः सन्ति - ऋक्, यजुः, साम, अथर्व इति। श्रुतीनामाशयं स्मृतयः प्रतिपादयन्ति। यद्यपि बह्व्यः स्मृतयः सन्ति तथापि मनुस्मृतिः याज्ञवल्क्यस्मृतिः चेति द्वे स्मृती प्रसिद्धे स्तः।

1. 'यद्यपि' इत्यत्र सन्धि-विच्छेदः कः?

(A) यद् + अपि

(B) यद् + अपि

(C) यदि + अपि

(D) यदि + अपि।

Ans. (C)

2. श्रुतीनामाशयं काः प्रतिपादयन्ति ?

- (A) वेदाः (B) स्मृतयः
(C) श्रुतयः (D) उपनिषदः ।

Ans. (B)

“स्मृती” इत्यस्मिन् पदे का

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

whatsapp- <https://wa.link/dywsfv> 12website- <https://bit.ly/reet-level-2-science>

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 (1st शिफ्ट)	89 of 160

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - <https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856Wl8&t=202s>

Patwari - <https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s>

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063



शब्दरूप

1. अकारान्त पुलिङ्ग एकवचन

विभक्ति	राम	श्याम	शिक्षक	देव	बालक
प्रथमा	रामः	श्यामः	शिक्षकः	देवः	बालकः
द्वितीया	रामम्	श्यामम्	शिक्षकम्	देवम्	बालकम्
तृतीया	रामेण	श्यामेन	शिक्षकेण	देवेन	बालकेन
चतुर्थी	रामाय	श्यामाय	शिक्षकाय	देवाय	बालकाय
पञ्चमी	रामात्	श्यामात्	शिक्षकात्	देवात्	बालकात्
षष्ठी	रामस्य	श्यामस्य	शिक्षकस्य	देवस्य	बालकस्य
सप्तमी	रामे	श्यामे	शिक्षके	देवे	बालके
अम्बोधन	हे राम!	हे श्याम!	हे शिक्षक!	हे देव!	हे बालक!

अकारान्त पुलिङ्ग द्विवचन

विभक्ति	राम	श्याम	शिक्षक	देव	बालक
प्रथमा	रामौ	श्यामौ	शिक्षकौ	देवौ	बालकौ
द्वितीया	रामौ	श्यामौ	शिक्षकौ	देवौ	बालकौ
तृतीया	रामाभ्याम्	श्यामाभ्याम्	शिक्षकाभ्याम्	देवाभ्याम्	बालकाभ्याम्
चतुर्थी	रामाभ्याम्	श्यामाभ्याम्	शिक्षकाभ्याम्	देवाभ्याम्	बालकाभ्याम्

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1 के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1 की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,



6. ईकाग्रान्त स्त्रीलिङ्ग एकवचन

विभक्ति	जननी	रजनी	नगरी	भवती	नदी
प्रथमा	जननी	रजनी	नगरी	भवती	नदीम्
द्वितीया	जननीम्	रजनीम्	नगरीम्	भवतीम्	नदीम्
तृतीया	जनन्या	रजन्या	नगर्या	भवत्या	नद्या
चतुर्थी	जनन्यै	रजन्यै	नगर्यै	भवत्यै	नद्यै
पञ्चमी	जनन्याः	रजन्याः	नगर्याः	भवत्याः	नद्याः
षष्ठी	जनन्याः	रजन्याः	नगर्याः	भवत्याः	नद्याः
सप्तमी	जनन्याम्	रजन्याम्	नगर्याम्	भवत्याम्	नद्याम्

सम्बोधन

हे जननि! हे रजनि! हे नगरी! हे भवति! हे नदी!

ईकारान्त स्त्रीलिङ्ग द्विवचन

प्रथमा	जनन्यौ	रजन्यौ	नगर्यौ	भवत्यौ	नद्यौ
द्वितीया	जनन्यौ	रजन्यौ	नगर्यौ	भवत्यौ	नद्यौ
तृतीया	जननीभ्याम्	रजनीभ्याम्	नगरीभ्याम्	भवतीभ्याम्	नदीभ्याम्
चतुर्थी	जननीभ्याम्	रजनीभ्याम्	नगरीभ्याम्	भवतीभ्याम्	नदीभ्याम्
पञ्चमी	जननीभ्याम्	रजनीभ्याम्	नगरीभ्याम्	भवतीभ्याम्	नदीभ्याम्

नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1 के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1 की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,

धातु रूप

. लटलकार

धातु	प्रथम पुरुष			मध्यम पुरुष			उत्तम पुरुष		
पठ् (पढ़ना)	पठति	पठतः	पठन्ति	पठसि	पठथः	पठथ	पठामि	पठवः	पठामः
गम् (जाना)	गच्छति	गच्छतः	गच्छन्ति	गच्छसि	गच्छथः	गच्छथ	गच्छामि	गच्छावः	गच्छामः
दृश् (देखना)	पश्यति	पश्यतः	पश्यन्ति	पश्यसि	पश्यथः	पश्यथ	पश्यामि	पश्यावः	पश्यामः
पा (पीना)	पिबति	पिबतः	पिबन्ति	पिबसि	पिबथः	पिबथ	पिबामि	पिबावः	पिबामः
लिख् (लिखना)	लिखति	लिखतः	लिखन्ति	लिखसि	लिखथः	लिखथ	लिखामि	लिखावः	लिखामः
प्रच्छ् (पूछना)	पृच्छति	पृच्छतः	पृच्छन्ति	पृच्छसि	पृच्छथः	पृच्छथ	पृच्छामि	पृच्छावः	पृच्छामः
वद् (बोलना)	वदति	वदतः	वदन्ति	वदसि	वदथः	वदथ	वदामि	वदावः	वदामः
भू (होना)	भवति	भवतः	भवन्ति	भवसि	भवथः	भवथ	भवामि	भवावः	भवामः
नश् (नष्ट होना)	नश्यति	नश्यतः	नश्यन्ति	नश्यसि	नश्यथः	नश्यथ	नश्यामि	नश्यावः	नश्यामः
नी (ले जाना)	नयति	नयतः	नयन्ति	नयसि	नयथः	नयथ	नयामि	नयावः	नयामः

इप् (चाहना)	इच्छति	इच्छतः	इच्छन्ति	इच्छसि	इच्छथः	इच्छथ	इच्छामि	इच्छावः	इच्छामः
----------------	--------	--------	----------	--------	--------	-------	---------	---------	---------

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,

कारक

कारक



कृ (धातु) + ण्वुल प्रत्यय

परिभाषा: -

क्रिया जनकत्वं कारकम् कारकत्वम्।

क्रिया करोति इति कारकम्।

वाक्यों में जिन जिन शब्दों का क्रिया के साथ सीधा संपर्क रहता है, उसे कारक कहते हैं।

उदाहरण - कक्षाया अध्यापकः शिवः।

दशरथस्य पुत्रः रामः।

कारक	विभक्ति	कारक चिन्ह
कर्ता	प्रथमा	ने
कर्म	द्वितीया	को
करण	तृतीय	से/द्वारा
संप्रदान	चतुर्थी	के लिए
अपादान	पंचमी	से (पृथक्)
सम्बन्ध	षष्ठी	का, के, की, रा, रे, री
अधिकरण	सप्तमी	में/पर

नोट: संबंध को कारक नहीं माना गया है, संबंध में षष्ठी विभक्ति 'शेषार्थ' अर्थ में होती है।

उदाहरण - दशरथस्य पुत्रः रामाः।

कक्षाया अध्यापकः शिवः।

कारक चिह्न

विभक्ति	कारक	चिह्न
---------	------	-------

प्रथमा/तृतीया	कर्ता	ने
द्वितीया	कर्म	को
तृतीया	करण	से/द्वारा
चतुर्थी	सम्प्रदान	के लिए
पञ्चमी	अपादान	से (अलग होना)
षष्ठी	सम्बन्ध	का, के, की, रा, रे, री
सप्तमी	आधिकरण	में, पै, पर
प्रथमा	सम्बोधन	हे, भो, अरे

प्रथमा विभक्ति - कर्ता कारक

1. प्रतिपादिकार्थ - (निश्चित अर्थ होता है)

उदाहरण: कृष्णः (अपनी तरफ

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1 की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1 st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2 nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1 st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 (1 st शिफ्ट)	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - <https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856Wl8&t=202s>

Patwari - <https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s>

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063

द्विकर्मक धातुओं के योग में अपादान आदि का कर्म होना

धातु	प्रयोग	अर्थ
1. द्द (दुहना)	ग्वालः धेनुं दुग्धं दोग्धि।	ग्वाला गाय से दूध दुहता है।
2. याच् (माँगना)	हरिः बलिं वसुधां याचते। सः नृपं क्षमां याचते।	हरि वामन बलि से पृथ्वी माँगते हैं। वह राजा से क्षमा माँगता है।
3. पच् (पकाना)	माता तण्डुलान् ओदनं पचति।	माता चावलों से भात पकाती है।

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,

• अव्यय

सदृशं त्रिषु लिङ्गेषु सर्वाभ्यु च विभक्तिषु।

वचनेषु च सर्वेषु यन्न व्येति तदव्ययम्॥

- जो शब्द तीनों लिङ्गों, सभी विभक्तियों तथा तीनों वचनों में समान रहते हैं; वे 'अव्यय' कहलाते हैं।
- 'न व्ययम् इति अव्ययम्' अर्थात् जो व्यय (स्वर्च, घट-बढ़, यानी परिवर्तन) को प्राप्त नहीं होता अर्थात् हमेशा ज्यों का त्यों यथावत् स्थिति में रहता है वह अव्यय (अविकारी) पद कहा जाता है।
- अव्यय पदों का रूप नहीं चलता। जैसे - यथा, तत्र, अत्र, किम्, कुत्र, कदा आदि।
- "स्वरादिनिपातमव्ययम्" (1.1.37) सूत्र से स्वर आदि शब्द तथा निपातशब्द अव्यय संज्ञक होते हैं।

जैसे - स्वरः, अन्तः, प्रातः, पुनः, ऊचैः, नीचैः, शनैः, ऋते, पृथक्, अद्य, ईषत्, आदि।

- तद्धितश्चासर्वविभक्तिः, कृन्मेजन्तः, क्वातोभुन्क्भुनः आदि सूत्रों से कुछ तद्धित प्रत्ययान्त एवं कुछ कृदन्त प्रत्ययान्त शब्दों की अव्यय संज्ञा होती है।

जैसे -

- (i) कृदन्त प्रत्यय जो अव्यय बनाते हैं - क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, तोभुन्, कभुन् आदि प्रत्ययों से बने पद अव्यय संज्ञक होते हैं - गत्वा, आगत्य, पठितुम् आदि पद अव्यय पद हैं।

तद्धित प्रत्यय तसित्, तल्, थाल्, धा, शस् प्रत्ययों से भी अव्यय पद बनते

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1 के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे

दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1 की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,



➤ सन्धि:

- सम् + √धा + कि = सन्धि: (पुँल्लिङ्ग)
- 'सन्धि' शब्द का अर्थ है - मेल या योग अर्थात् मिलना।
- “वर्णानां परस्परं विकृतिमत् सन्धानं सन्धिः” अर्थात् वर्णों का आपस में विकारसहित मिलना 'सन्धि' कहलाता है। 'विकृति' का मतलब है - वर्णपरिवर्तन।
- इस प्रकार दो वर्णों के मेल से जो विकार (परिवर्तन) उत्पन्न होता है, उसे 'सन्धि' कहते हैं।

जैसे -

- (i) रमा + ईशः = रमेशः
- (ii) रम् आ ईशः (आ + ई का मेल)
- (iii) रम् ए शः (आ + ई = 'ए' हो गया)
- (iv) रमेशः (गुण सन्धि)

स्पष्टीकरण - उपर्युक्त उदाहरण में रमा के 'मा' में विद्यमान 'आ' तथा ईशः का 'ई' मिलकर 'ए' (वर्णपरिवर्तन) हो गया। यह वर्णविकार या वर्णपरिवर्तन ही सन्धि है।

❖ **संहिता** - 'सन्धि' के लिए अनिवार्य तत्त्व हैं - संहिता।

सूत्र - “परः सन्निकर्षः संहिता”

अर्थात् दो वर्णों का अत्यन्त सन्निकट हो जाना ही 'संहिता' है।

❖ 'संहिता' के विषय में व्याकरणशास्त्र में एक नियम प्रसिद्ध है कि -

संहितैकपदे नित्या नित्या धातूपसर्गयोः।

नित्या समासे वाक्ये तु सा विवक्षामपेक्षते ॥

(i) संहिता (सन्धि) एक पद में नित्य होती है।

जैसे -

नै + अकः = नायकः

पौ + अकः = पावकः

भो + अनम् = भवनम्

(ii) उपसर्ग और धातु में संहिता नित्य (अनिवार्य) होती हैं -

जैसे -

नि + अवसत् = न्यवसत्

प्र + ऋच्छति = प्राच्छति

अधि + आगच्छति = अध्यागच्छति

(iii) सामासिक पदों में संहिता अनिवार्य (नित्य) होगी -

जैसे -

देवस्य आलयः (सामासिक विग्रह)

देव + आलयः = देवालयः

कृष्णस्य अस्त्रम् (सामासिक विग्रह)

कृष्ण + अस्त्रम् = कृष्णास्त्रम्

(iv) वाक्य में संहिता (सन्धि) विवक्षाधीन होती है अर्थात् आपकी इच्छा के अधीन है कि आप चाहें तो सन्धि करें या चाहें तो न करें -

जैसे -

❖ रामः गच्छति वनम्। (सन्धि नहीं हुई)
रामौ गच्छति वनम्। (सन्धि कार्य हुआ)

❖ अत्र कः अस्ति। (सन्धि नहीं हुई)

❖ द्वाविंशे एवं वर्ष इन्दुमती अधिजगाम स्वर्गम्। (सन्धि नहीं हुई)

➤ सन्धि विच्छेद - सन्धि युक्त वर्णों को अलग-अलग करना ही सन्धि विच्छेद है।

सन्धि = मिलना विच्छेद = अलग करना।

जैसे - गणेशः का सन्धिविच्छेद होगा = गण + ईशः।

‘विद्यार्थी’ का विच्छेद होगा = विद्या + अर्थी।

➤ सन्धि में क्या होगा - - - - - ?

1. दो वर्णों के स्थान पर एक नया वर्ण हो जाता है -

जैसे -

रवि + ईशः = रवीशः (र + ई = री)

सुर + इन्द्रः = सुरेन्द्रः (अ + इ = ए)

सदा + एव = सदैव (आ + ए = ऐ)

एकः पूर्वपरयोः (6.1.84) पूर्व और पर दोनों वर्णों के स्थान पर एक आदेश होगा।

2. दो वर्णों के निकट अने से केवल पूर्व वर्ण में ही विकार (परिवर्तन) होता है।

जैसे -

इति + आदिः = इत्यादिः (इ के स्थान पर य)

मधु + अरिः = मध्वरिः (उ के स्थान पर व)

ने + अनम् = नयनम् (ए के स्थान पर अय)

‘एकस्थाने एकादेशः’ - एक स्थान पर एक आदेश होगा।

3. दो वर्णों में से किसी वर्ण का लोप हो जाता है -

जैसे - रामः आगच्छति = राम आगच्छति (विभर्ग का लोप)

दोषः अस्ति = दोषोऽस्ति (अकार का लोप)

4. दो वर्णों में से किसी एक वर्ण का द्वित्व हो जाना।

जैसे - एकस्मिन् + अवसरे = एकस्मिन्नवसरे

5. कभी कभी दोनों वर्णों में साथ-साथ परिवर्तन होगा।

जैसे - तत् + शिवः = तच्छिवः

वाक् + हरिः = वाग्हरिः

यहाँ ‘त् + श्’ वर्णों में सन्धि हुई तो त् को ‘च्’ तथा श् को ‘ष्’ हो गया।

6. कभी कभी दोनों वर्णों के बीच कोई तीसरा वर्ण चला आया।

जैसे - वृक्ष + छाया = वृक्षच्छाया

यहाँ ‘क्ष’ एवं ‘छ’ के बीच ‘च्’ के रूप में एक नया वर्ण आ गया।

प्रकार -

(1) स्वर संधि (अच्)

(2) व्यंजन संधि (हल्)

(3) विसर्ग संधि

(1) स्वर संधि

- दीर्घ संधि
- गुण संधि
- वृद्धि संधि
- यण् संधि
- अयादि संधि

इसके अतिरिक्त दो और हैं - पूर्वरूप संधि, पररूप संधि

(a) दीर्घ संधि :- अकः सवर्णे दीर्घः

नियम :-

अ/आ + आ/अ = आ

इ/ई + इ/ई = ई

उ/ऊ + उ/ऊ = ऊ

ऋ + ऋ = ऋ

Ex - परमात्माः = परम + आत्मा (अ + आ = आ)

रवीन्द्रः = रवि + इन्द्रः (इ + इ = ई)

वधूत्सवः = वधू + उत्सव (ऊ + उ = ऊ)

पितृणाम् = पितृ + ऋणाम् (ऋ + ऋ = ऋ)

दीर्घ संधि के उदाहरण

1. हिम् + आलयः (सन्धि विच्छेद)

हिम् अ + आलयः (वर्ण विच्छेद)

हिम् आ लयः (दो वर्णों के स्थान पर दीर्घ 'आ' आदेश)

हिमालयः (सन्धियुक्त पद)

उपर्युक्त उदाहरण में 'हिम्' के म में विद्यमान 'अ' आलयः के 'आ' से मिलकर दीर्घ 'आ' हो गया।

2. पुस्तक् + आलयः (अ + आ = आ)

पुस्तक् अ + आलयः

पुस्तक् आ लयः

= पुस्तकालयः

3. रवि + इन्द्रः (इ + इ = ई)

रव् इ + इन्द्रः

रव् ई न्द्रः

= रवीन्द्रः

4. भानु + उदयः (उ + उ = ऊ)

भान् उ + उदयः

भान् ऊ दयः

= भानूदयः

5. मातृ + ऋणम् (ऋ + ऋ = ॠ)

मातृ ऋ + ऋणम्

मातृ ॠ णम्

मातृणम्

कुछ अन्य उदाहरण -

वाचन + आलयः = वाचनालयः

देव + आलयः = देवालयः

शस्त्र + आगारः = शस्त्रागारः

विद्या + आलयः = विद्यालयः

इ + इ = ई

कपि + ईशः = कपीशः

गौर + ईशः = गौरीशः

मुनि + इन्द्रः = मुनीन्द्रः

श्री + ईशः = श्रीशः

मही + इन्द्रः = महीन्द्रः

गिरि + ईशः = गिरीशः

उ + उ = ऊ

वधू + उत्सवः = वधूत्सवः

लघु + ऊर्मिः = लघूर्मिः

विद्यु + उद्भयः = विद्युद्भयः

गुरु + उपदेशः = गुरुपदेशः

साधु + उक्तम् = साधूक्तम्

भू + ऊर्जा = भूर्जा

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको राजस्थान शिक्षक

पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1 के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1 की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2 nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	

RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2 nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1 st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2 nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1 st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2 nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1 st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 (1 st शिफ्ट)	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - <https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856Wl8&t=202s>

Patwari - <https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s>

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063

➤ समास

समास का अर्थ होता - संक्षिप्त

- समास विग्रह के विकार
 - लौकिक (इस लोक में प्रचलित)
 - अलौकिक (इस लोक में कम प्रचलित)

- समासः - सन्म् √अस् + घञ् = समासः
- 'अनेकपदानाम् एकपदीभवनं समासः' अर्थात् अनेकपदों का एकपद हो जाना 'समास' कहलाता है।
- 'समस्यनं समासः' अर्थात् संक्षेपीकरण को समास कहते हैं। 'समास' का अर्थ है - संक्षिप्त। जब दो या दो से अधिक पद परस्पर मिलकर नया शब्द बनाते हैं, तो उनके बीच की विभक्तियाँ लुप्त हो जाती हैं, और बना हुआ शब्द 'समास' कहलाता है।

विभक्तिर्लुप्यते यत्र तदर्थस्तु प्रतीयते।

पदानां चैकपदं च समासः शोऽभिधीयते॥

अर्थात् जहाँ विभक्तियों का लोप हो जाता है, परन्तु उनका अर्थ प्रतीत होता रहता है, और अनेक पद मिलकर एकपद बन जाता है, उसे 'समास' कहते हैं।

पीतम् अम्बरं यस्य सः = पीताम्बरः

- विग्रह - "वृत्त्यर्थविबोधकं वाक्यं विग्रहः" समासवृत्ति के अर्थ का बोध कराने के लिए जो वाक्य होता है, उसे 'विग्रह' कहते हैं।
जैसे - 'पीताम्बरः' इस सामासिक पद का अर्थ बताने के लिए "पीतम् अम्बरं यस्य सः" यह जो वाक्य है यही विग्रह कहा जाता है।

समास विग्रह - विग्रह दो प्रकार का होता है -

(i) लौकिक विग्रह (ii) अलौकिक विग्रह

(i) लौकिक विग्रह - लोक के समझने लायक विग्रह को 'लौकिक विग्रह' कहते हैं।

जैसे - 'दशरथपुत्रः' इस सामाजिक पद का लौकिक विग्रह होगा - दशरथस्य पुत्रः।

- (i) अलौकिक विग्रह - जो व्याकरणशास्त्रा की प्रक्रिया दर्शाने हेतु अर्थात् शास्त्रीय प्रक्रिया के लिए विग्रह होता है, उसे 'अलौकिक विग्रह' कहते हैं।
जैसे - 'दशरथ उन्म पुत्र सु' यह "दशरथपुत्रः" इस सामासिक पद का अलौकिक विग्रह होगा।

समस्त पद या सामासिक पद - समास होने पर जो शब्द बनता है, उसे 'समस्तपद' या 'सामासिक पद' कहते हैं। जैसे - अधिगोपम्, चन्देश्वरः, त्रिभुवनम्, रामकृष्णौ आदि ये समस्तपद या सामासिक पद कहें जायेंगे।

• समास के प्रकार :-

संस्कृत में समास 5 प्रकार के होते -

- (1) केवल समास
- (2) अव्ययीभाव समास
- (3) तत्पुरुष समास — कर्मधारय
- (4) बहुव्रीहि समास — द्विगु
- (5) द्वन्द्व समास

(1) केवल समास :- विशेष संज्ञा रहित समास को कहते।

- इस समास का लौकिक/अलौकिक विग्रह सर्वाधिक पूछते हैं।

लौकिक वि.

अलौकिक वि.

Ex. = भूतपूर्वः पूर्वम् भूत

पूर्व अम् भूत सु

वागर्थीविव = वागर्थी इव

अधमर्णः = अधम् ऋण

उत्त मर्णः = उत्तम् ऋण

नैकः = न एकः

(2) अव्ययीभाव समास :-

पूर्वपद प्रधानः अव्ययीभावः

- हमेशा नपुंसकलिङ्ग में होता है।
- पहला पद प्रधान होता है।
- पहचान के लिए :- आगे उपसर्ग लगा रहता है।

Ex. = यथाशक्ति - शक्ति अनतिक्रम्य

उपनगरम् - गङ्गाया समीपम्

प्रतिदिनम् - दिनं दिनं प्रति

- जब संख्यावाची का संबंध वंशवाची से हो तो

:- द्विमुनि = हि और मुनि औ

- नदीभिश्च - नदी का नाम संख्या के साथ हो तो

= पञ्चगङ्गम् = पंचानां गङ्गानाम् समाहारः

अव्ययीभाव समास के उदाहरण -

1. 'विभक्ति' के अर्थ में विद्यमान अव्ययपदों का समर्थ सुबन्त (पद) के साथ अव्ययीभाव समास होता है जैसे -

समास विग्रह समस्त पद (अर्थ सहित)

हयै इति अधिहरि (हरि में)

आत्मनि इति अध्यात्मम् (आत्मा में)

गोपि इति अधिगोपम् (गोप में)

यहाँ 'अधि' अव्यय सप्तमी विभक्ति के अर्थ में है।

2. 'समीप' अर्थ में विद्यमान 'उप' आदि अव्ययपदों का समर्थ सुबन्त के साथ अव्ययीभाव समास होता है।

3. जैसे-

समास विग्रह **सामासिक पद (अर्थ सहित)**

गङ्गायाः समीपम् उपगङ्गम् (गङ्गा नदी के समीप)

नगरस्य समीपम् उपनगरम् (नगर के समीप)

कृष्णस्य समीपम् उपकृष्णम् (कृष्ण की समीप)

कूलस्य समीपम् उपकूलम् (किनारे के समीप)

तटस्य समीपम् उपतटम् (तट के समीप)

उपर्युक्त उदाहरणों में 'उप' यह अव्यय समीप अर्थ में है। जिसका गङ्गा आदि समर्थ सुबन्त पदों के साथ अव्ययीभाव समास हुआ है। समास होने के बाद उपगङ्गम्, उपनगरम् आदि पूरा पद अव्यय हो जाता है।

4. 'समृद्धि' के अर्थ में अव्ययीभाव समास होता है। जैसे -

समास विग्रह **समस्त पद (अर्थसहित)**

मद्राणां समृद्धिः समृद्धम् (मद्रदेशवासियों की समृद्धि)

भिक्षाणां समृद्धिः सुभिक्षम् (भिक्षाटन की समृद्धि)

5. वृद्धि (दुर्गति या वृद्धि का अभाव) के अर्थ में विद्यमान अव्यय पदों का समर्थ सुबन्त के साथ अव्ययीभाव समास होता है

जैसे -

यवनानां वृद्धिः = दुर्यवनम् (यवनों की दुर्गति)

भिक्षाणां व्युत्तिः = दुर्भिक्षम् (भिक्षा का न मिलना)

शकानां व्युत्तिः = दुःशकम् (शकों की दुर्गति)

राक्षसाणां व्युत्तिः = दुर्यक्षसम् (राक्षसों की अवन्ति)

6. 'अर्थाभाव' के अर्थ में विद्यमान अव्यय पदों का समर्थ सुबन्त के साथ अव्ययीभाव समास होता है। जैसे-

मक्षिकाणाम् अभावः = निर्मक्षिकम् (मक्खियों का अभाव)

प्राणानाम् अभावः = निष्प्राणम् (प्राणों का अभाव)

विघ्नानाम् अभावः = निर्विघ्नम् (विघ्नों का अभाव)

मशकानाम् अभावः = निर्मशकम् (मच्छरों का अभाव)

जनानाम् अभावः = निर्जनम् (मनुष्यों का अभाव)

दोषाणाम् अभावः = निदोषम् (दोषों का अभाव)

उपर्युक्त उदाहरणों में 'निर्' आदि अव्ययपदों का 'मक्षिका' आदि समर्थ सुबन्तों के साथ अव्ययीभाव समास हुआ है। यहाँ 'निर्' अव्यय का अर्थ है - अर्थाभाव।

अत्यय (ध्वंस या नाश) के अर्थ में विद्यमान अव्ययपदों का समर्थ सुबन्त

नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1 के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1 की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1 st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2 nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1 st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 (1 st शिफ्ट)	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - <https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856Wl8&t=202s>

Patwari - <https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s>

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063

• षष्ठी तत्पुरुष समास के उदाहरण

समास विग्रह सामासिक पद (अर्थ सहित)

नरणां पतिः = नरपतिः (मनुष्यों का स्वामी)

विद्यायाः आलयः = विद्यालयः (विद्या का घर)

राज्ञः सेवकः = राजसेवकः (राजा का सेवक)

राज्ञः पुरुषः = राजपुरुषः (राजा का पुरुष)

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1 के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1 की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,

• माहेश्वर सूत्र

महर्षि पाणिनि ने संस्कृत का व्याकरण बनाने की इच्छा से घोर तप करके भगवान् महेश्वर (शिव) को प्रसन्न किया। प्रसन्न होकर शिव ने नृत्य के साथ जो उमर वादन किया उसी से महर्षि पाणिनि को ये 14 सूत्र सुनायी पड़े। भगवान् महेश्वर के उमर से उत्पन्न होने के कारण इन्हें “माहेश्वर सूत्र” कहा जाता है।

नृत्तावसाने नटराजराजो ननाद ढक्कां नवपञ्चवारम्।

उद्धर्तुकामः सनकादिशिष्वन् एतद्धिमर्शो शिवसूत्रजालम्॥

नटराज भगवान् शिव ने नृत्य के अवसान में सनकादि शिष्यों के उद्धरण की कामना से चौदह बार उमर बजाया जिसमें 14 शिवसूत्रों का ताना बना निहित था।

- अइउण् ऋलृक् आदि ये चौदह सूत्र हैं इसलिए इन्हें “चतुर्दशसूत्र” कहते हैं।
- इन्हीं सूत्रों से प्रत्याहार बनाये जाते हैं, अतः इन्हें “प्रत्याहारसूत्रा” भी कहते हैं।
- भगवान् शिव के उमर से निकलकर पाणिनि को प्राप्त हुए हैं, अतः इन्हें “शिवसूत्र” या “माहेश्वरसूत्र” भी कहते हैं।
- इन सूत्रों में संस्कृत वर्णमाला है अतः इन्हें “वर्णसमाम्नायसूत्र” भी कहते हैं।

चतुर्दश माहेश्वर सूत्र -

- | | |
|-------------------|--------------|
| 1. अइउण् | 2. ऋलृक् |
| 3. एओङ् | 4. ऐऔच् |
| 5. ह्यवरट् | 6. लण् |
| 7. जमङणनम् | 8. झभञ् |
| 9. घढ्यप् | 10. जबगडब्श् |
| 11. ख्रफछत्थचटाव् | 12. कपय् |
| 13. शषस्रश् | 14. हल् |

माहेश्वरसूत्रों के विषय में ज्ञातव्य तथ्य -

माहेश्वरसूत्रों में सबसे पहिले स्वर हैं; उसके बाद अन्तःस्थ वर्ण य् व् ऋ ल् हैं। उसके बाद वर्गों

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,

• लकार (TENSE)

क्रिया वाचक प्रकृति को 'धातु' कहते हैं। जैसे - भू, स्था, गम्, हस इत्यादि।

संस्कृत में मुख्यतः पांच लकार ही प्रयोग में आते हैं जो कि निम्न हैं -

1. लट् लकार (वर्तमान काल)(Present Tense)
2. लृट् लकार (भविष्य काल)(Future Tense)
3. लङ् लकार (भूतकाल) (Past Tense)
4. लोट् लकार (आज्ञा आदि में) (Imperative Tense)
5. विधिलिङ्ग लकार (निमन्त्रादि में) (The Potential mood)

प्रत्येक लकार में तीन पुरुष होते हैं -

1. प्रथम पुरुष 3rd Person
2. मध्यम पुरुष 2nd Person
3. उत्तम पुरुष 1st Person

प्रत्येक पुरुष में तीन वचन होते हैं -

1. एकवचन (Singular)
2. द्विवचन (Dual)
3. बहुवचन (Plural)

लट् लकार (वर्तमान काल)

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम	वह (सः/सा)	वे दोनों (तौ/ते)	वे सब (ते/ताः)	पठति	पठतः	पठन्ति
मध्यम	तुम (त्वम्)	तुम दोनों (यूवाम्)	तुम सब (यूयम्)	पठसि	पठथः	पठथं
उत्तम	मैं (अहं)	हम दोनों (आवाम्)	हम सब (वयम्)	पठावः	पठावः	पठामः

धातुओं के रूप पठ धातु पढ़ना

लट लकार (वर्तमान काल)

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम	पठति	पठतः	पठन्ति

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको राजस्थान शिक्षक

पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1 के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1 की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,



अध्याय - 2

एकम् अपति गद्यांशम् राजस्थानस्य इतिहास - कलां - संस्कृति आदिनाम्

गद्यांशः. 1

राजस्थानमिदं चिरकालादेव विभूतिमतां विदूषां वासस्थली। प्रकाशनसाधन
सम्पन्नेऽप्यस्मिन् युगे आत्मप्रशक्तिपराङ्मुखे संस्कृतसाहित्यसर्जकः भूयान्
प्रातिभापरिचयः प्रतः। वाग्वैभवैरपि मूकसाधकैरभीमिः नानाविधाः काव्यविधा विरच्यन्त
साम्प्रतं ते समे सर्जना परिसंख्यातुं नैव शक्यते। राजस्याख्येयं धरित्रि यथा शूराणां
सुखेवकानाञ्च खनिस्तथैव कृतभूरिपरिश्रमाणां सम्यगधीतविद्यानां कविशिरोमणीनां
शास्त्रविदाञ्च प्रसवित्रीत्यत्र नास्ति संशीतिलेशावसरः।

1 'लेशावसरः' अत्र लिङ्गम् किमस्ति ?

- (1) स्त्रीलिङ्गम् (2) पुल्लिङ्गम्
(3) नपुंसकलिङ्गम् (4) कोऽपि नास्ति

Ans. (2)

2 'नानाविधाः' अत्र वचनम् किमस्ति ?

- (1) एकवचनं (2) द्विवचनं
(3) बहुवचनं (4) कोऽपि नास्ति

Ans. (3)

3 'शक्यते' कः लकारः ?

(1) लदलकारः (2) विधिलिङ्गलकारः

(3) लोदलकारः (4) लङ्लकारः

Ans. (1)

4 'अस्ति' लोद लकारे परिवर्तयत -

(1) अस्तु (2) स्यात्
(3) आसीत् (4) भविष्यति

Ans. (4)

'विद्यन्तं' अत्र कः

नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2 nd शिफ्ट)	103 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2 nd शिफ्ट)	91 of 150
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1 st शिफ्ट)	59 of 100
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2 nd शिफ्ट)	61 of 100
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1 st शिफ्ट)	56 of 100
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2 nd शिफ्ट)	57 of 100
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1 st शिफ्ट	91 of 160
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 (1 st शिफ्ट)	89 of 160

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - <https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856Wl8&t=202s>

Patwari - <https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s>

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063

• विलोम - शब्दाः

अनुलोमः

विलोमः

अ

अस्मीमः (वि.)	-	सस्मीमः (वि.)
अतिवृष्टिः (स्त्री.)	-	अनावृष्टिः (स्त्री.)
अमावस्या (स्त्री.)	-	पूर्णिमा (स्त्री.)
अमृतम् (नपुं.)	-	विषम् (नपुं.)
अधोगामी (पुं.)	-	ऊर्ध्वगामी (पुं.)
अर्वाचीनम् (वि.)	-	प्राचीनम् (वि.)
अनुकूलः (वि.)	-	प्रतिकूलः (वि.)
अपकारः (पु.)	-	उपकारः (पु.)
अनुशागः (पुं.)	-	विशागः (पुं.)
अभिज्ञः (पुं.)	-	अनभिज्ञः (पुं.)
अनुजः (पुं.)	-	अग्रजः (पुं.)
अर्धम् (वि.)	-	पूर्णम् (वि.)
अवकाशः (पुं.)	-	अनवकाशः (पुं.)
अल्पम् (वि.)	-	बहु (वि.)
अनुलोमः (पुं.)	-	प्रतिलोमः (पुं.)
अनादरः (पुं.)	-	आदरः (पुं.)
अधमः (वि.)	-	उत्तमः (वि.)
अनुकूलः (वि.)	-	प्रतिकूलः (वि.)
अनुलोपः (वि.)	-	विलोपः (वि.)

अग्रिमः (वि.)	-	अन्तिमः (वि.)
असाध्यम् (वि.)	-	साध्यम् (वि.)
अन्तरङ्गम् (वि.)	-	बहिरङ्गम् (वि.)
अङ्गीकारः (वि.)	-	अस्वीकारः (वि.)
अल्पज्ञः (पुं.)	-	बहुज्ञः (पुं.)
अभिमानी (पुं.)	-	निरभिमानी (पुं.)
अम्बरम् (नपुं.)	-	अवनिः (स्त्री.)
अचलम् (वि.)	-	चलम् (वि.)
अभिव्यक्तः (वि.)	-	अनभिव्यक्तः (वि.)
अज्ञः (पुं.)	-	विज्ञः (पुं.)
अकर्तव्यः (वि.)	-	कर्तव्यः (वि.)
अपेक्षा (स्त्री.)	-	अनपेक्षा (स्त्री.)
अन्तिमः (वि.)	-	प्रथमः (वि.)
अङ्कशः (पुं.)	-	निरङ्कशः (पुं.)
अवलम्बः (पुं.)	-	निरालम्बः (पुं.)
अधर्मः (पुं.)	-	सद्धर्मः (पुं.)
अन्तरम् (वि.)	-	बाह्यम् (वि.)
अंशतः (अव्य.)	-	पूर्णतः (अव्य.)
अल्पकालिकः (पुं.)	-	दीर्घकालिकः (पुं.)
अध्यवसायः (पुं.)	-	अनध्यवसायः (पुं.)
अवरोधः (पुं.)	-	अनवरोधः (पुं.)
अपेक्षितम् (वि.)	-	अनपेक्षितम् (वि.)
अग्राह्यः (वि.)	-	ग्राह्यः (वि.)

अरुचिः (स्त्री.)	-	सुअरुचिः (स्त्री.)
अकर्मण्यः (पुं.)	-	कर्मण्यः (पुं.)
अत्यधिकम् (नपुं.)	-	स्वल्पम् (नपुं.)
अत्र (अव्य.)	-	तत्र (अव्य.)
अथ (अव्य.)	-	इति (अव्य.)
अधस्तन (वि.)	-	उपरितन (वि.)
अधमर्णः (पुं.)	-	उत्तमर्णः (पुं.)
अधिकतमः (वि.)	-	न्यूनतमः (वि.)
अधित्यका (स्त्री.)	-	उपत्यका (स्त्री.)
अधिकांशः (पुं.)	-	अल्पांशः (पुं.)
अधः (अव्य.)	-	उपरि (अव्य.)
अधुनातनः (पुं.)	-	पुरातनः (पुं.)
अनृतम् (नपुं.)	-	ऋतम् (नपुं.)
अनुपस्थितः (पुं.)	-	उपस्थितः (पुं.)
अनिवार्यः (पुं.)	-	वैकल्पिकः (पुं.)

आ

आकीर्णः (पुं.)	-	विकीर्णः (पुं.)
आदिष्टः (पुं.)	-	निषिद्धः (पुं.)
आवरणम् (नपुं.)	-	अनावरणम् (नपुं.)
आवृत्तः (पुं.)	-	अनावृत्तः (पुं.)
आज्ञा (स्त्री.)	-	अवज्ञा (स्त्री.)

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,



INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

FREE

अध्याय - 3

संस्कृतानुवादः

(लकार)

1. लट् लकार - (वर्तमान)
2. लङ् लकार - (भूत)
3. लृट् लकार - (भविष्य)
4. लोट् लकार - (आज्ञार्थक)
5. विधिलिङ लकार - (चाहिए के लिए)

उदाहरण

1. राम पढ़ता है 1 (वर्तमान काल) लट् लकार
2. राम खेलता है 1

उदाहरण

1. राम पढ़ता था 1 (भूतकाल) लङ् लकार
2. राम खेलता था 1

उदाहरण

1 राम पढ़ेगा 1 (भविष्य काल) लृट् लकार

राम खेलेंगा 1

	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
प्रथम पुरुष	अः/आ	तौ/ते	ते/ता
मध्यम पुरुष	त्वम्	यूयाम्	यूयम्
उत्तम पुरुष	अहम्	आवाम्	वयम्
	एक वचन	द्वि वचन	बहु वचन
प्रथम पुरुष	ति	तः	न्ति

मध्यम पुरुष	स्त्रि	थः	थ
उत्तम पुरुष	मि	आवः	आमः

उदाहरण

वे दोनों पढ़ते हैं 1

तौ पक्तः

हम सब पढ़ते हैं 1

वयम् पठमः 1

• अन्य उदाहरण

1. बालक विद्यालय जाता है।

बालकः विद्यालयं गच्छति।

2. झरने से अमृत को मथता है।

सागरं सुधां मथ्नाति।

3. राम के सौ रुपये चुराता है। - रामं शतं मुष्णाति।

4. राजा से क्षमा माँगता है। - नृपं क्षमां याचते।

5. सज्जन पाप से घृणा करता है। - सज्जनः पापाद् जुगुप्सते।

6. विद्यालय में लड़के और लड़कियाँ हैं। - विद्यालये बालकाः बालिकाश्च वर्तन्ते।

7. मैं कंघे से बाल सँवारता हूँ। - अहं कंकतेन केशप्रसाधनं करोमि।

8. बालिका जा रही है। - बालिका गच्छन्ती अस्ति।

9. यह रमेश की पुस्तक है। - इदं रमेशस्य पुस्तकम् अस्ति।
10. बालक को लड्डू अच्छा लगता है। - बालकाय मोदकं रोचते।
11. माता-पिता और गुरुजनों का सम्मान करना उचित है। - पितरौ गुरुजनाश्च सम्माननीयाः।
12. जो होना है सो हो, मैं उसके सामने नहीं झुकूँगा। - यद्भावी तद् भवतु, नाहं तस्य पुरः शिरोऽवनमयिष्यामि।
13. वह वानर वृक्ष से उतरकर नीचे बैठा है। - वानरः वृक्षात् अवतीर्य नीचैः उपविष्टोऽस्ति।
14. मेरी सब आशाओं पर पानी फिर गया। - सर्वा ममाशा मोघाः सञ्जाताः।
15. मैंने सारी रात आँखों में.....

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 (1st शिफ्ट)	89 of 160

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - <https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856Wl8&t=202s>

Patwari - <https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s>

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063

अध्याय - 8

संस्कृत भाषा - शिक्षण - विधयः

विधाओं के अनुसार शिक्षण विधियाँ

→ **व्याकरण शिक्षण की विधियाँ** → व्याकरण शिक्षण के लिए अनेक प्रकार की विधियों का प्रयोग किया जाता है ! डा. संतोष मित्तल ने इन विधियों को निम्नानुसार दो श्रेणियों में विभाजित किया है - (क) प्राचीन विधियाँ → 1. आगमन विधि 2. निगमन विधि 3. सूत्र या केय्स्थीकरण विधि 4. पारायण विधि 5. भाषा संसर्ग या अशाकृति विधि 6. अर्थावबोधन या वाद विवाद विधि 7. अन्वय व्यतिरेक विधि 8. व्याख्या विधि

(ख) अर्वाचीन विधियाँ → 1. आगमन - निगमन विधि 2. समवाय या सहयोग विधि 3. पाठ्यपुस्तक विधि

अन्य विधि → 1. अनोपचारिक विधि या सैनिक विधि

1. आगमन विधि

व्याकरण पढ़ाते समय जब कोई शिक्षक सर्वप्रथम बालकों के समक्ष कुछ विशेष उदाहरण प्रस्तुत करता है , तदुपरान्त इन उदाहरणों की समानता को देखकर छात्रों की सहायता से किसी नियम की स्थापना करता है !पुनः उस नियम की सत्यता को जाचने के लिए कुछ अन्य उदाहरण भी प्रस्तुत करता है तो वह आगमन विधि कहलाती है !

परिभाषाएं →

1. 'जायसी' के अनुसार → ' आगमन विशेष दृष्टान्तों की सहायता से सामान्य नियमों को विधिपूर्वक प्राप्त करने की क्रिया है !'

2. 'लैण्डन' के अनुसार → 'जब कभी बालकों के समक्ष कुछ विशेष तथ्य / वस्तुएं एवम उदाहरण प्रस्तुत किये जाते हैं एवम बालकों से स्वयं उनके निष्कर्ष निकलवाये जाते हैं तो वह आगमन विधि कहलाती है !

3. 'युंग / जुंग' के अनुसार → 'जिस विधि में बालक विविध स्थूल तथ्यों के आधार पर अपनी मानसिक शक्ति का प्रयोग करते हुए स्वयं किसी सामान्यत नियम या सिद्धान्त तक पहुचने का प्रयास करता है तो वह आगमन विधि कहलाती है !

→ आगमन विधि के प्रमुख पद / चरण / सोपान → इस विधि का प्रयोग करने पर एक शिक्षक को प्रमुखतः निम्न चार चरणों से गुजरना पड़ता है -

1. **उदाहरण प्रस्तुतिकरण** → इसके अन्तर्गत शिक्षक के द्वारा छात्रों के समक्ष कुछ विशेष उदाहरण किये जाते हैं ! 'Walk, Palm, Half, Talk' इत्यादि

2. **'निरिक्षण या तुलना** → इसके अन्तर्गत प्रस्तुत उदाहरणों में किसी विशेष समानता को देखा जाता है ! जैसे - उपयुक्त सभी शब्दों का उच्चारण करने पर 'l' की ध्वनि गुप्त (silent) हो !

3. **नियमीकरण या सामान्यीकरण** → इसके अन्तर्गत शिक्षक के द्वारा छात्रों की सहायता से किसी नियम की स्थापना की जाती है ! जैसे :- 'किसी शब्द में 'a+l+k/m/f' प्राप्त होने पर 'l' की ध्वनि लुप्त (silent) हो जाती है !

4. **सत्यापन या पुष्टि** → इसके अन्तर्गत बनाए गये नियम की सत्यता को जानने के लिए कुछ अन्य उदाहरण प्रस्तुत किये जाते हैं ! जैसे :- 'Chalk Palm, Calf' इत्यादि !

→ **आगमन विधि प्रमुख शिक्षण सूत्र** →

1. उदाहरणतः नियमं प्रति !
2. विशिष्टत सामान्यं प्रति !
3. ज्ञातात अज्ञातं प्रति !
4. स्थूलात सूक्ष्म प्रति !
5. मुर्तात अमूर्त प्रति !
6. प्रत्यक्षात प्रमाण प्रति !

→ **आगमन विधि के प्रमुख लाभ / गुण** →

1. इस विधि से प्राप्त ज्ञान स्थायी होता है !
2. इस विधि से बालकों में खोजी प्रवृत्ति का विकास होता है !
3. प्राथमिक स्तर या छोटे बालकों को व्याकरण शिक्षण के लिए यह सर्वाधिक उपयुक्त विधि मानी जाती है !

→ **आगमन विधि के प्रमुख दोष / कमियां** →

1. इस विधि में प्रशिक्षित एवम अनुभवी शिक्षकों की आवश्यकता पड़ती है !
2. यह विधि समय साध्य एवम क्षम साध्य विधि है !
3. उच्च स्तर पर व्याकरण शिक्षण के लिए यह विधि उपयोगी नहीं मानी जाती है !

2. निगमन विधि

व्याकरण पढ़ाते समय जब कोई शिक्षक सर्वप्रथम बालकों को नियम या सिद्धान्त का ज्ञान करवाता है ! तदुपरान्त उदाहरणों पर उस नियम का उपयोग करता है तो निगमन विधि.....

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)

राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 (1st शिफ्ट)	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - <https://www.youtube.com/watch?v=gXdaK856Wl8&t=202s>

Patwari - <https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s>

whatsapp- <https://wa.link/dywsfv> 65website- <https://bit.ly/reet-level-2-science>



अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063



❖ संस्कृत - भाषा - शिक्षण सिद्धान्त :

- किसी भी भाषा शिक्षण के सफलता के लिए बनाए गए नियम जो भाषा शिक्षण के आधारस्वरूप होते हैं “भाषा शिक्षण के सिद्धान्त” कहलाते हैं।
- संस्कृत भाषा शिक्षण की विशेषताओं को ध्यान में रखकर उसकी सफलता के लिए बनाए गए नियम संस्कृत भाषा शिक्षण के सिद्धान्त कहलाते हैं।
- भाषा शिक्षण सिद्धान्तों का अनुसरण कर के ही भाषा शिक्षण को सफल बनाया जा सकता है।
- शिक्षक बच्चों में ज्ञान का स्थानांतरण करता है। इस Process को करने के लिए कुछ सिद्धान्तों, नियमों तथा सुत्रों की आवश्यकता होती है ताकि बच्चे का ज्ञान स्थायी हो सकें

❖ संस्कृतशिक्षणस्य सिद्धान्तः

(1) स्वाभाविकतायाः सिद्धान्तः (स्वभाविकता का सिद्धान्त) :-

- भाषा अधिगम एक स्वभाविक प्रवृत्ति है (भाषा - अधिगमः एका स्वाभाविकी प्रवृत्तिः)
- संस्कृतस्य वातावरण निर्माणद्वारा शिक्षणम् (संस्कृत का स्वभाविक वातावरण द्वारा शिक्षण किया जाना चाहिए। यानी यदि हम संस्कृत पढ़ा रहे तो संस्कृत भाषा में ही अध्यापन कराया जायें)
- पद्याना गायनम्, संस्कृतस्यभाषणकृतैः प्रोत्साहनम्, मौखिकपक्षेपु अधिक बलम् (स्वभाविकता के सिद्धान्त के अनुसार संस्कृत शिक्षण के लिए पद्यों का गायन कर पढ़ा सकते हैं, संस्कृत में वार्तालाप को प्रोत्साहन तथा मौखिक पक्ष पर अधिक बल दिया जाना चाहिए)

(2) अभ्यासस्य सिद्धान्त (अभ्यास का सिद्धान्त) :-

- भाषा एका कलायां वर्तते कलायां प्रवीणता अभ्यास द्वारा एवं सम्भवति (भाषा एक कला है, कला में प्रवीणता अभ्यास द्वारा ही संभव है)

- कठिनध्वनिनाम् अभ्यासः, शुद्धेच्चारणे बलम्, दोषपरिहारः सुक्तिनां मुहावराणां च ज्ञानम्

(अभ्यास के सिद्धांत के अन्तर्गत संस्कृत शिक्षण करते समय कठिन ध्वनियों का अभ्यास, शुद्ध उच्चारण पर बल दिया जाए, मुहावरों का ज्ञान कराया जाए व बच्चे जो गलतियां कर रहे हैं वो उन्हें बताया जाए)

3. मौखिकतायाः सिद्धान्तः (मौखिकता का सिद्धांत) :-

- भाषणात्: भाषः (बोलने से ही भाषा अर्जन होती है)
- भाषायः मौखिकरूपं शिक्षुभ्यः अधि गामाय सरलम् (भाषा का मौखिक रूप शिक्षु के सीखने के लिए सरल, अनुकरणात्मक तथा उच्चारण करने के लिए सहज होता है।)

4. समता तथा क्रमस्य सिद्धान्तः (अनुपात तथा क्रम का सिद्धांत) :-

- पूर्व पाठनं, ततः अनुवादकार्यं तदनु रचनात्मक कार्यं कुरुः (संस्कृत भाषा शिक्षण में पहले अध्यापन कराया जाना चाहिए, फिर अनुवाद और तब रचनात्मक कार्य कराया जाना चाहिए। इस प्रकार क्रम से शिक्षण करने से बच्चे सरलता से सीखते हैं।)
- स्वतन्त्र कार्यात् पूर्व अभ्यासः वैयक्तिककार्यात् पूर्व सामुहिक कार्यं भवेत् (कक्षा में स्वतंत्रा से पहले बच्चों को अभ्यास कार्य देना चाहिए तथा व्यक्तिगत कार्य देने से पहले सामुहिक कार्य करना चाहिए।)

5. सक्रियतायाः सिद्धान्तः (सक्रियता का सिद्धांत) :-

- सक्रियतायाः का अर्थ है सक्रियस्य भावः (यानी कक्षा में बच्चे क्रियाशील रहे)
- कक्षायां भाषणस्य, अभिव्यक्तेः प्रश्नोत्तराणां क्रिया अधिका भवेत् (कक्षा में बच्चों को बोलने का अवसर दिया जाए एवं अभिव्यक्ति तथा प्रश्नोत्तर की क्रियाएँ अधिक से अधिक हों।)

6. रूचि का सिद्धान्त (रूचि: सिद्धान्तः) :-

- चित्राप्रदर्शिनैः उपकरणानां प्रयोगैः सहानुभूतिपूर्णव्यवहारेण, क्रीडाविधि - इत्यादिभिः क्रियाकलापैः रूचिम् उत्पादयेत्। (छात्रों को चित्रा प्रदर्शन, उपकरणों का प्रयोग, सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार खेलविधि तथा क्रियाकलापों से रूचि उत्पन्न करायेंगे)।

7. बहुमुखी विकासस्य सिद्धान्तः (बहुमुखी विकास का सिद्धान्त) :-

- बहुमुखी विकास के सिद्धान्त के अन्तर्गत बच्चे का हर क्षेत्रा में विकास किया जाता है।

एकस्मिन्नेव काले अनेक - उद्देश्यैः सह अग्रेसारणम् (एक ही समय में अनेक

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1 st शिफ्ट)	79 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2 nd शिफ्ट)	103 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1 st शिफ्ट)	95 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2 nd शिफ्ट)	91 of 150
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1 st शिफ्ट)	59 of 100
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2 nd शिफ्ट)	61 of 100
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1 st शिफ्ट)	56 of 100
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2 nd शिफ्ट)	57 of 100
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1 st शिफ्ट	91 of 160
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 (1 st शिफ्ट)	89 of 160

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - <https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856Wl8&t=202s>

Patwari - <https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s>

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063



INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

FREE

शिक्षण सहायक सामाग्रयः

पारम्परिकम्

प्राचीन समय से

भाषा शिक्षण में

हम जिन उपकरणों

प्रयोग करते आ रहे हैं -

- ब्यामपट्ट (Blackboard)
- पाठ्यपुस्तकम् (9.M)
- चित्रम्
- मानचित्राणि
- पत्रिकाएँ
-

आधुनिकम्

दूरदर्शनम्

Projector

कम्प्यूटर आधारित

कक्षा

❖ दृश्योपकरणाम् (दृश्य साधन) :- दृश्य साधनों द्वारा शुद्ध लेखन तथा शुद्ध उच्चारण का अभ्यास किया जाता है।

दृश्यसामग्री

सामान्य दृश्यसाधन

दृश्यसाधन

- ब्यामपट्ट
- चित्र, मानचित्र, रेखाचित्र (प्रोजेक्टर)
- प्रतिरूप (मॉडल)
- चार्ट
- पाठ्यपुस्तक

यांत्रिक

- उन्नत शीर्ष प्रक्षेपिका

(आवरहैड)

- चित्र

विस्तारक यंत्र

- बाल साहित्य

- संग्रहालय

❖ **इयामपट्ट :-** यह संस्कृत शिक्षण में परम्परागत सहायक उपकरण हैं।

- दृश्य साधनों में सर्वोत्तम साधन हैं।
- शिक्षा जगत् में इयामपट्ट देने का श्रेय - जेक्स विलियमस को दिया जाता है।
- प्राथमिक स्तर पर अक्षर ज्ञान कराने के लिए तथा छात्रों के लेखन कौशल को विकसित करने में इयामपट्ट उपयोगी है।
- इयामपट्ट का उपयोग करके शिक्षक छात्रों की वर्तनी तथा उच्चारण संबंधी त्रुटियों को दूर कर सकता है।
- इयामपट्ट को संस्कृत अध्यापक का मित्र माना जाता है।

❖ **चित्र :-** संस्कृत भाषा शिक्षण को रोचक व सुग्राह्य बनाने में शिक्षक रंगीन व आकर्षक चित्रों का प्रयोग कर सकता है।

- चित्र के माध्यम से अमूर्त वस्तु अथवा उसकी संकल्पना मूर्तिमान हो उठती है।

मानचित्र :- संस्कृत भाषा - शिक्षण करते समय छात्रों को किसी नगर

नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1 के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1 की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1 st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 (1 st शिफ्ट)	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - <https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856Wl8&t=202s>

Patwari - <https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s>

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063

उपचारात्मक शिक्षण

- कमजोर विद्यार्थियों के शिक्षण अधिगम के दोषपूर्ण प्रभावों को दूर करने की प्रक्रिया उपचारात्मक शिक्षण कहलाती है।
- किसी छात्र या छात्रों के समूह को किसी विषय विशेष या प्रकरण से संबंधित समस्याओं या कठिनाइयों के निवारण के लिए किया जाने वाला शिक्षण या कार्य ही उपचारात्मक शिक्षण कहलाता है।
- उपचारात्मक शिक्षण का प्रमुख आधार निदानात्मक प्रक्रिया होती है। निदान के बाद ही उपचार किया जाता है।

❖ उपचारात्मक शिक्षण के उद्देश्य

- प्राप्त ज्ञान में कमियों का निरीक्षण करना।
- अधिगम संबंधी दोषों का निराकरण
- पिछड़े बालकों को कक्षास्तर तक लाकर विकास के समान अवसर देना।
- मानसिक तनाव दूर कर शिक्षण में अवरोध को दूर करना।

❖ उपचारात्मक शिक्षण के रूप या प्रकार

- ये तीन प्रकार का होता है -

- (i) व्यक्तिगत उपचारात्मक शिक्षण
- (ii) सामूहिक उपचारात्मक शिक्षण
- (iii) उपचार गृहों या भाषा प्रयोगशालाओं द्वारा उपचारात्मक शिक्षण

❖ उपचारात्मक शिक्षण के क्षेत्र

- (i) पठन / वाचन
- (ii) लेखन / वर्तनी
- (iii) भाषा या व्याकरण
- (iv) उच्चारण
- (v) भाषा कौशल

❖ उपचारात्मक शिक्षण की प्रक्रिया :-

- निदानात्मक परीक्षणों में छात्र की त्रुटियों का विश्लेषण करना

कमियों के आधार पर

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,



छंद

- वर्ण अथवा वर्णों के समूह को पाद मान कर रचे हुए वाक्य समूह को छंद कहते हैं।
- छन्द का शाब्दिक अर्थ 'पद्य' से है।
- छन्द शास्त्र के ज्ञाता पिंगलमुनि हैं।
- छन्द को वेद रूपी पुरुष का पैर कहा जाता है।
(छंदः पादौ तु वेदस्य)

पाद/चरण चार होते हैं।

याति - रुकना

श्लोक के मध्य श्वास को विराम देना याति कहलाता है।

छन्द मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं: -

1. वैदिक
2. लौकिक

लौकिक छन्द मुख्यतः दो प्रकार का होता है: -

1. वर्णिक छंद
2. मात्रिक छंद

मात्रिक छंद: -

मात्रा पर आधारित छंद को मात्रिक छंद कहा जाता है।

मात्रा: - किसी भी वर्ण के उच्चारण में जो जितना समय लगता है, वह उसकी मात्रा कहलाती है।

मात्रा मुख्यतः तीन प्रकार की होती है।

ह्रस्व - लघु/एकमात्रिक/ 1 सैकेण्ड - 1

दीर्घ - गुरु/द्विमात्रिक/2 सैकेण्ड - 2

प्लुत - त्रिमात्रिक/3 सैकेण्ड - 3

उदा. - आर्या मात्रिक छंद

मात्राओं के नियम - 5

1. संयुक्त वर्ण से पूर्व वाला वर्ण गुरु माना जाता है। जैसे - अंबर, यज्ञ, कक्ष, अभिलंब
2. विसर्ग से युक्त वर्ण गुरु माना जाता है। जैसे - हरीः, रामः
3. अनुस्वार से युक्त वर्ण गुरु माना जाता है। जैसे - हरिं, रामं
4. दीर्घ वर्ण गुरु माना जाता है। जैसे - रमा, लता
5. पद के अंत में आवश्यकतानुसार लघु/गुरु मान लिया जाता है।

संयुक्त व्यंजन वर्ण क्ष - क् + ष

त्र - त्र् + र

ज्ञ - ज्ञ + ज्

श्र - श्र् + र

वर्णिक छंद

जहां वर्ण गिने जाते

नोट - प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नहीं हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - 1** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063,

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2 nd शिफ्ट)	103 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2 nd शिफ्ट)	91 of 150
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1 st शिफ्ट)	59 of 100
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2 nd शिफ्ट)	61 of 100
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1 st शिफ्ट)	56 of 100
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2 nd शिफ्ट)	57 of 100
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1 st शिफ्ट	91 of 160
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 (1 st शिफ्ट)	89 of 160

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - <https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856Wl8&t=202s>

Patwari - <https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s>

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें - 8233195718, 8504091672, 9694804063

अध्याय - 13

• 'अलंकारम्'

‘अलंकार’ शब्द “अलम्” और ‘कार’ के योग से बना है, जिसका अर्थ होता है - आभूषण या विभूषित करनेवाला।

शब्द और अर्थ दोनों ही काव्य के शरीर माने जाते हैं अतएव, वाक्यों में शब्दगत और और अर्थगत चमत्कार बढ़ाने वाले तत्त्व को ही अलंकार कहा जाता है।

अलंकार के भेद और प्रकार

आचार्य मम्मट ने अपनी सुप्रसिद्ध रचना **काव्यप्रकाश** में 67 प्रकार के अलंकारों के भेद की चर्चा की है तो भरतमुनि ने 4, वामन ने 33, दण्डी ने 35, भामह ने 39, उद्भट ने 40, रुद्रट ने 52, जयदेव ने अपनी रचना ‘चंद्रालोक’ में 100 और अप्पयदीक्षित ने कुवलयानन्द ने 124 अलंकारों की बात कही है। कुछ प्रमुख अलंकार

अनुप्रास अलंकार

अनुप्रास शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है - अनु + प्रास। यहाँ पर अनु का अर्थ है - बार-बार और प्रास का अर्थ होता है - वर्ण। जब किसी वर्ण की बार-बार आवृत्ति हो तब जो चमत्कार होता है उसे अनुप्रास अलंकार कहते हैं। यह अलंकार शब्दालंकार के 6 भेदों में से एक है।

अनुप्रास अलंकार की परिभाषा

Definition

अनुप्रास अलंकार में किसी एक व्यंजन वर्ण की आवृत्ति होती है। आवृत्ति का अर्थ है दुहराना जैसे-“तरनिक-तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाये।” उपर्युक्त उदाहरणों में ‘त’ वर्ण की लगातार आवृत्ति है, इस कारण से इसमें अनुप्रास अलंकार है।

अनुप्रास अलंकार का उदाहरण

Example

जन रंजन मंजन ढनुज मनुज रूप सुर भूप।

विश्व बद्ध इव धृत उद्धर जोवत सोवत भूप।

वर्णशाम्यमनुप्रासः (मम्मटः),

अनुप्रासः शब्दशाम्यं वैषम्येऽपि स्वरस्य यत्

- एको देवः केशवो वा शिवो वा,
ह्येकं मित्रं भूपतिर्वा यतिर्वा।
एको वासः पत्तने वा वने वा,
एका नारी सुन्दरी वा दरी वा॥

- यहाँ श् व् व्, त् र् र्, न् व्, द् र् र् की बार-बार आवृत्ति होने के कारण अनुप्रास अलंकार हैं।

नार्यो यत्र सुलोचनाः सुललना लक्ष्मीस्वरूपा गृहे

ता दुर्गा प्रभवन्ति रक्तनयना वीराङ्गना आहवे।

वीराणां जननस्थली प्रियधरा शस्त्रस्य शस्त्रस्य या

सौषा वीरधरा प्रिया मरुधरा राजस्थली राजते॥

अनुप्रास अलंकार के अन्य उदाहरण

उदाहरण 1.

लाली मेरे लाल की जित देखौं तित लाल।

उदाहरण 2.

विमलवाणी ने वीणा ली कमल कोमल कर में सप्रीत।

उदाहरण 3.

प्रतिभट कटक कटीले केते काटि-काटि कालिका-सी किलकि कलेऊ देत काल को।

अनुप्रास अलंकार के भेद

1. छेकानुप्रास अलंकार
2. वृत्यानुप्रास अलंकार
3. लाटानुप्रास अलंकार
4. अन्त्यानुप्रास अलंकार
5. श्रुत्यानुप्रास अलंकार

छेकानुप्रास अलंकार की परिभाषा -

जहाँ पर स्वरूप और क्रम से अनेक व्यंजनों की आवृत्ति एक बार हो.....



AVAILABLE ON/  



www.infusionnotes.com



01414045784



contact@infusionnotes.com

OTHER EDITIONS...

